राजधानी
वर्ष 13 | अंक 07 | पृष्ठ : 12+6=18
मूल्य : चार रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

लखनऊ
मंगलवार, 30 जून 2020

amarujala.com | अनोखा रिश्ता | भारत-भूटान में 600 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना पर दस्तखत...9 | उत्तर प्रदेश

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया यूपी में बनाएगी विश्वस्तरीय टेक्नोलॉजी हब

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया यूपी में विश्वस्तरीय टेक्नोलॉजी हब बनाएगी। कंपनी ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित उत्पाद बनाएगी। इसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा।

एमएसएमई, निवेश एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि सीएम योगी के दिशा-निर्देश पर यूपी में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए किए गए वर्चुअल रोड-शो को बड़ी सफलता मिली है। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रबंध निदेशक व कॉरपोरेट प्रेसिडेंट राजीव कुमार ने टेक्नोलॉजी हब बनाने के लिए सहमति दे दी है। सिद्धार्थनाथ सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजीव कुमार और उनकी टीम के साथ चर्चा कर रहे थे। औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन और अपर मुख्य सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत सहगल भी चर्चा में शामिल थे।

ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाएगी, बड़ी संख्या में लोगों को मिलेगा रोजगार

सिद्धार्थनाथ ने राजीव कुमार से कहा कि कैंपस के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, वे जब चाहें भूमि देख सकते हैं। प्रदेश सरकार ने राज्य में निवेशकर्ताओं को हरसंभव सहयोग और सुविधाएं मुहैया कराने की व्यवस्था की है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी को कैंपस की स्थापना के लिए राज्य सरकार रेड कारपेट की सुविधा देगी। इस कैंपस की स्थापना से भारत को इलेक्ट्रॉनिक हब बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा मददगार साबित होगा। यूपी तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ेगा। युवा तकनीक के क्षेत्र में दक्ष होकर प्रदेश का गौरव बढ़ायेंगे। राज्य सरकार जेवर एयरपोर्ट के पास इलेक्ट्रॉनिक सिटी बना रही है। वहां लगने वाली इकाइयों को आवश्यक सुविधाएं सुलभ कराने के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। टीसीएस, विप्रो और हायर जैसी कंपनियां नोएडा व ग्रेटर नोएडा में उद्यम लगा रही हैं। राजीव कुमार ने प्रदेश सरकार के इन कदमों की सराहना करते हुए कहा कि शीघ्र ही भूमि के लिए कंपनी की टीम भ्रमण करेगी। जल्द से जल्द कैंपस निर्माण की प्रकिया शुरू कराई जाएगी। हैदराबाद और बंगलूरू में माइक्रोसॉफ्ट के पास 5000 और 2000 की क्षमता का कैंपस है। कंपनी उत्तर भारत में टेक्नोलॉजी हब बनाना चाहती है। इसके लिए ग्रेटर नोएडा व नोएडा को चुना गया है।